सत्यमेव जयते
Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Government of India

(प्रौद्योगिकी मिशन प्रभाग - ऊर्जा, जल और अन्य)

के अंतर्गत

उद्योग अनुसंधान और विकास अध्येतावृत्ति कार्यक्रम (आईआरडीएफपी)2022

के लिए आवेदन जमा करने हेतु सामान्य जानकारी और प्रारूप

उद्योग में करियर बनाने में अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं को सहायता करने हेतु मार्ग प्रशस्त करने के प्राथमिक लक्ष्य वाली उद्योग-सूचित चुनौतियों को दूर करने हेतु शैक्षिक-उद्योग समुदाय अन्तः क्रिया का समर्थन

प्रारंभन तिथि:04अक्तूबर2022
जमा करने की अंतिम तिथि:15दिसंबर2022

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग,
टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरौली रोड,
नई दिल्ली - 110 016

उद्योग अनुसंधान एवं विकास अध्येतावृत्ति कार्यक्रम 2022
(आईआरडीएफपी)

प्रस्तावना:

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) उत्कृष्ट और प्रभावशाली अनुसंधान और प्रतिभा का वित्तपोषण करता है, औरयह अनुमान लगाते हुए कि आगे क्या होगा और नियोजन एवं सहयोग का विस्तार करके भारत के भविष्य को आकार देता है।

डीएसटी यह दृष्टिकोण निर्धारित करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज की उन्नति हेतु भारत, वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग अनुसंधान संबंधी वैश्विक नवाचार में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। डीएसटी का प्रयास उद्योग-सूचित चुनौतियों का समाधान करने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान करने हेतु उद्योग के साथ कार्यनीतिक साझेदारी का निर्माण करके अकादमिक-उद्योग अन्तः क्रिया को बढ़ावा देना है।

इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईईएसए) एक अग्रणी उद्योग गठबंधन है जो भारत में उन्नत ऊर्जा भंडारण, हरित हाइड्रोजन और ई-मोबिलिटी प्रौद्योगिकियों के विकास पर केंद्रित है। यह गठबंधन भारत में इन उभरती स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए सक्षम नीतिगत ढांचे को आकार देने संबंधी महत्वपूर्ण प्रयासों में सबसे आगे रहा है। भारत को उभरती हुई स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में वैश्विक अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ, आईईएसए अपने सदस्य संगठनों को बाजार का गहन विश्लेषण प्रदान करके और उद्योग और सरकारी हितधारकों के बीच अन्तः क्रिया को सुगम बनाकर और अत्याधुनिक कौशल-विकास प्रशिक्षण प्रदान करके भारत तथा विश्व-भर में नेटवर्क बनाने तथा अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए संर्वागपूर्ण पारितंत्र प्रदान करता है ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और भारत ऊर्जा भंडारण गठबंधन (आईईएसए) डीएसटी उद्योग-अकादमिया फैलोशिप कार्यक्रम के तहत आवेदनों के लिए उद्योग अनुसंधान और विकास फैलोशिप कार्यक्रम 2022 (आईआरडीएफपी) शुरू कर रहे हैं। फेलोशिपसे फेलो के कौशल में सुधार होगा और उद्योग एवं अकादमिक भागीदारों दोनों को पारस्परिक लाभ होगा।

उद्योग में कार्यरत या उसके साथ सहयोग करने वाले अनुसंधानकर्ताओं को संगत व्यावसायिक ड्राइवरों को कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और उद्योग के स्थापित संपर्कों से लाभ प्राप्त होगा। डीएसटी-आईईएसए उद्योग-अकादमिया फैलोशिप कार्यक्रम के माध्यम से अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं को प्रदान किया गया अप-स्किलिंग और उद्योग विगोपन उन्हें उद्योग में करियर हेतु तैयार करेगा और इन अनुसंधानकर्ताओं द्वारा अब तक प्राप्त प्रशिक्षण प्रभाव को अधिकतम करेगा। संकाय अनुसंधानकर्ताओं हेतु, यह अपेक्षित है कि उनकी फैलोशिप बाद के उद्योग सहयोगों को आगे बढ़ाने और उनके शोध की दिशा को आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

अनुसंधानकर्ताओं के साथ मेजबानी और सहयोग करने वाले उद्योग भागीदारों को उद्योग संबंधी चुनौतियों के लिए अपनी कंपनी के अभिनव समाधान लाने, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ और भावी नम्यता के संवर्धन हेतु समर्थन प्रदान करने और भविष्य के दीर्घकालिक सहयोग के लिए शिक्षा के साथ संबंध विकसित करने के लिए फेलो की विशेषज्ञता से लाभ मिलेगा।

लक्ष्य:

आईआरडीएफपी 2022,उद्योग में करियर बनाने में अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं का समर्थन करने हेतु मार्ग बनाने के प्राथमिक लक्ष्य सहित उद्योग-सूचित चुनौतियों का समाधान करने के लिए अकादमिक-उद्योग अन्तः क्रिया का समर्थन करना चाहता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 12 महीने की अवधि के लिए फैलोशिप प्रदान करके उद्योग सहित अनुसंधान को करियर के रूप में आगे बढ़ाने हेतु स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय ट्रैक रिकॉर्ड वाले नवीनतम पीएचडी को प्रोत्साहित

करना है। यह कार्यक्रम कई प्रकार के उद्योग समायोजन में अनुसंधान सहयोग, रूपांतरण और परिणामों के व्यावसायीकरण को भी संचालित करताहै। इस कार्यक्रम के तहत उद्योग-सूचित अनुसंधान समस्याओं पर काम करने के इच्छुक अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं को पुरस्कृत किया जाता है जो उद्योग भागीदार वाली अस्थायी नियुक्ति के माध्यम से भारत के लिए प्रासंगिक हैं।

उद्देश्य:

उद्योग अनुसंधान एवं विकास फैलोशिप कार्यक्रम 2022 (आईआरडीएफपी) के उद्देश्य हैं:

- ऊर्जा भंडारण, विद्युत गतिशीलता और हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वच्छ ऊर्जा से संबंधित क्षेत्रों में भारत हेतु प्रासंगिक उद्योग-सूचित अनुसंधान समस्याओं पर शोध करने के लिए नवीनतम पीएचडी प्राप्तकर्ता और पीएचडी छात्रों (पीएचडी के पूरा होने के 3 वर्षों के भीतर) को प्रोत्साहित करना।
- भारत हेतु संगत उद्योग-सूचित चुनौतियों पर अनुसंधान को समर्थन देकर और शिक्षा तथा उद्योग के मध्य ज्ञान और विशेषज्ञता के विनिमय द्वारा प्रभावशाली नवोन्मेष का संवर्धन। ये चुनौतियां ऊर्जा भंडारण, शून्य-कार्बन ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, ई-गतिशीलता, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा क्षेत्र में नीतियां, ऊर्जा क्षेत्र प्रभावक अर्थशास्त्र, ऊर्जा क्षेत्र हेतु सामाजिक विज्ञान अथवा स्वच्छ और हरित क्षेत्रक को प्रभावित करने वाले अन्य संगत अध्ययनों जैसे क्षेत्रों से संबंधित हो सकती हैं। यहीं तक सीमित न होते हुए हित विषयक अनुसंधान समस्याओं के उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हैं(व्यापक नहीं अपितु मात्र प्रतिनिधि सूची):
    - भारत के इलेक्ट्रिक ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर एकीकरण का समर्थन करने हेतु उन्नत ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों का प्रयोग।
    - स्वच्छ ऊर्जा अभिगम सुधार करके सुदूर क्षेत्रों में आर्थिक विकास का समर्थनकरना।
    - वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों - जैसे, रूफटॉप फोटोवोल्टिक, बिजली की गुणवत्ता में सुधार, आदि के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधान।
    - भारत में विद्युत गतिशीलता और चार्जिंग अवसंरचना के संवर्धनार्थ समाधान।
    - उन्नत रसायन कोशिकाओं, इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के निर्माण का विस्तार।

- अनुसंधानकर्ताओं केप्रशिक्षण के प्रसार और उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि करना। प्रशिक्षण प्रसार और उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि करना।
- भारतवर्ष में लघु, मध्यम और बड़े उद्यमों द्वारा अनुसंधान, विकास और नवाचार में वर्धित भागीदारी को सुगम बनाना।

अध्येतावृत्ति की अवधि:

इस कार्यक्रम के तहत अध्येतावृत्ति 12 महीने की अवधि के लिए प्रदान की जाएगी।

वित्तीय सहायता:

प्रति छात्र अध्येतावृत्ति राशि रु. 50,000/- प्रति माह (समेकित)

पात्रता मानदंड:

- आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए।
- आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि को आवेदक की आयु 35 वर्ष या उससे कम होनी चाहिए और आवेदन पीएचडी पूरी होने के 3 वर्ष के भीतर होना चाहिए।
- आवेदक के पास निम्नलिखित पात्रताएं अवश्य होनी चाहिए

1) किसी अनुमोदित अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से पीएचडी की डिग्री,परंतु आवेदन जमा करने की समय-सीमा से 3 वर्ष से अधिक पुरानी न हो,
अथवा
2) किसी अनुमोदित अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से पीएचडी की डिग्री पूरी होने ही वाली हो, ताकि वह इस फैलोशिप की शुरुआत की तारीख से पहले पीएचडी की डिग्री हासिल कर ले।

- आवेदक द्वारा ऊर्जा भंडारण, विद्युत गतिशीलता, या हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देने सहित स्वच्छ ऊर्जा संबंधी क्षेत्रों में प्रबल अनुसंधान रुचि और रिकॉर्ड का प्रदर्शन किया होना चाहिए। आवेदक की अनुसंधान रुचि विज्ञान, इंजीनियरिंग, व्यवसाय प्रबंधन, सार्वजनिक नीति, या उपरोक्त प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के अंतःविषय पहलुओं में हो सकती है।

आवेदन समीक्षा प्रक्रिया और मानदंड:

योग्यता और पात्रता शर्तों के अनुपालन के आधार पर सभी आवेदनों का मूल्यांकन डीएसटी द्वारा गठित/नामांकित ईपीसी (विशेषज्ञ पैनल समिति) द्वारा किया जाएगा। समिति का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
ईपीसी, जिसमें बड़ी संख्या में प्रक्षेत्र -विशिष्ट समीक्षक शामिल होंगे, द्वारा प्रस्तावों की समीक्षा की जाएगी; जहां पैनल के प्रत्येक सदस्य को कई आवेदन प्राप्त होते हैं।

विशेषज्ञता के आधार पर प्रत्येक समीक्षक को प्रस्ताव सौंपे जाते हैं। डीएसटी द्वारा नियुक्त सभी समीक्षकों को डीएसटी दिशानिर्देशों का पालन करना आवश्यक है।
पैनल द्वारा अध्येतावृत्ति हेतु केवल इंटरसेक्टरल एंगेजमेंट, अकादमिक-उद्योग ज्ञान विनिमय और अनुसंधानकर्ताओं के स्तरोनयन हेतु सुदृढ़ क्षमता का प्रदर्शन करने वाले अनुप्रयोगों की सिफारिश की जाती है।
डीएसटी किसी भी समय समीक्षा प्रक्रिया को संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। आवेदकों को प्रक्रिया में किसी भी प्रासंगिक संशोधन के बारे में सूचित किया जाएगा।

अतिरिक्त विवरण और संसाधन:

1. अध्येता, अध्येतावृत्ति की समयावधि मेंउद्योग संगठन द्वारा यथा सम्मत अनुसंधान समस्या पर काम करेगा। यह प्राथमिकता दी जाती है कि आवेदक को उद्योग भागीदार मिले, जो श्रेष्ठ प्रकारेण आईईएसए सदस्य हो।
आईईएसए सदस्य संगठनों की सूची https://indiaesa.info/community/members से प्राप्त की जा सकती है।
यदिकिसीआवेदककोउद्योगभागीदारनहींमिलरहाहै, तो वह भी शोध विवरण सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, इस मामले में चयन प्रक्रिया के दौरान उद्योग भागीदार से संपर्क स्थापित होगा।
2. हालांकिउद्योगभागीदारहेतु विशिष्ट हित के मामले मेंअनुसंधान समस्या से,भारत में स्वच्छ ऊर्जा पारितंत्र, विशेष रूप से ऊर्जा भंडारण, हरित हाइड्रोजन और विद्युत गतिशीलता प्रौद्योगिकियों के लिए व्यापक प्रासंगिकता के होने की अपेक्षा है।
3. आवेदकद्वाराप्रस्तुतकिएगएअनुसंधान विवरण/प्रस्ताव में अनुसंधान समस्याओं का सामना करने में स्पष्ट रुचि, जो भारत में स्वच्छ ऊर्जा उद्योगों और बाजार को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं,प्रदर्शित होनी चाहिए। विवरण में आवेदक की रुचि की अनुसंधान समस्या (समस्याओं), फेलोशिप के दौरान उन समस्याओं के समाधान के लिए निष्पादन योजनाओं और अपेक्षित परिणामों का वर्णन होना चाहिए।
4. फेलोशिप प्राप्तकर्ता, मेजबानसंगठनऔरदेशकेआचरण, नियम और विनियमों का पालन करेगा। फेलोशिप प्राप्तकर्ताद्वारा किसी भी नियम और विनियम के उल्लंघन के लिए डीएसटी उत्तरदायी नहीं होगा।
5. डीएसटीअनुदानकेवलमासिकफेलोशिपकासमर्थनकरनेकेलिएहै।फेलोशिपकार्यक्रममेंकोईअन्यलागतशामिलनहींहै।

6. डीएसटीऔरआईईएसएफेलोशिप प्राप्तकर्ताया शैक्षणिक संस्थान के भारतीय बैंक खाते में भारतीय रुपये में अनुदान, यदि कोई हो, वितरित करेंगे जहां पुरस्कार प्राप्तकर्ता को फैलोशिप की अवधि के लिए होस्ट किया जाएगा।
7. फेलोशिप प्राप्तकर्ताकोपुरस्कारपत्रकीतारीखसे6 महीने के भीतर अपनी यात्रा शुरू करनी होगी।
8. फैलोशिपकीअवधिमेंविस्तारपरविचारनहींकियाजाएगा।
9. यदिफेलोशिप प्राप्तकर्ताकार्यकालपूराहोनेसेपहलेफैलोशिपकोबंदकरदेताहैतोफेलोशिपप्राप्तकर्ता/मेजबान संरक्षक को ईमेल/पत्र द्वारा डीएसटी को सूचित करना चाहिए।
10. फेलोशिप के पूरा होने के 4 सप्ताह के भीतर, फेलोशिपविजेता को डीएसटी को प्रतिरूप फोटो सहित निर्धारित प्रारूप में मेजबान संरक्षक द्वारा समर्थित विस्तृत फेलोशिप पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।
11. फेलोशिप प्राप्तकर्ता कोफेलोशिप के परिणामस्वरूप तैयार सभी ऑनलाइन / प्रिंट दस्तावेजों, संचार, रिपोर्ट, प्रकाशन आदि संबंधी डीएसटीऔरआईईएसए–उद्योग अनुसंधान और विकास अध्येतावृत्ति कार्यक्रम 2022 (आईआरडीएफपी) को मान्यता और स्वीकारना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

प्रारंभ तिथि: 04 अक्टूबर 2022
प्रस्तुत करने की तिथि: 15 दिसंबर 2022

आवेदन कैसे करें :

आवेदन केवल ऑनलाइन मोड (https://onlinedst.gov.in/Login.aspx) के माध्यम से संलग्न प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। आवेदन की कोई हार्ड कॉपी जमा नहीं की जानी चाहिए। कृपया ध्यान दें, अपूर्ण आवेदन अयोग्य माना जाएगा।

आवेदन जमा करते समय पालन किए जाने योग्य बिन्दु :

चरण 1:ईपीएमएस https://onlinedst.gov.in/Login.aspx पर जाएं
चरण 2: या तो लॉग इन करें या मेजबान संस्थान के विवरण के साथ नया पीआई पंजीकरण पूरा करें।
चरण 3: सामान्य सूचना टैब में विवरण भरें।
चरण 4:वित्तीय टैब पर, बजट हेड (आवर्ती) चुनें और राशि में 50,000 रुपये का उल्लेख करें।
चरण 5: पीएफएमएस टैब पर लागू नहीं लिखें।
चरण 6: सबमिशन टैब (वर्ड और पीडीएफ प्रारूप में) पर अपना पूरा आवेदन पत्र विवरण और दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन दस्तावेज :

- कृपया सुनिश्चित करें कि निम्नलिखित दस्तावेज पूरे हैं और प्रस्ताव के साथ अपलोड किए गए हैं।
- आवेदक का हाल का पासपोर्ट आकार का चित्र
- पीएचडी डिग्री प्रमाण पत्र की एक प्रति (पीएचडी डिग्री रखने वाले आवेदकों के मामले में) या पीएचडी नामांकन और पंजीकरण प्रमाण पत्र की एक प्रति (यदि आवेदक आवेदन के समय पीएचडी कार्यक्रम में नामांकित है और फैलोशिप की शुरुआत की तारीख से पहले पीएचडी पूरा करने की उम्मीद कर रहा है)।
- 10 वीं, 12 वीं, स्नातक और स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र की प्रतियां
- किसी अन्य डिग्री या डिप्लोमा प्रमाणपत्र की प्रति (यदि लागू हो)

- आवेदक का जीवनवृत्त
- अनुसंधान विवरण (अधिकतम 6पृष्ठ, संदर्भों की सूची सहित नहीं)।
- संदर्भ सूची (अधिकतम 1 पृष्ठ) प्रदान की जानी चाहिए, जिसमें लेखक (लेखकों) का नाम, लेख का शीर्षक, प्रकाशन का नाम, प्रकाशन की तारीख और विवरण (जैसे भाग, पृष्ठ) शामिल हैं।
- अनुसंधान प्रस्ताव (अधिकतम 6 पृष्ठ, संदर्भों की सूची सहित नहीं) संदर्भ सूची (अधिकतम 1 पृष्ठ) प्रदान की जानी चाहिए, जिसमें लेखक (लेखकों) का नाम, लेख का शीर्षक, प्रकाशन का नाम, प्रकाशन की तारीख और विवरण (जैसे भाग, पृष्ठ) शामिल हैं।
- पिछले 5 वर्षों में आवेदक द्वारा लिखे गए प्रकाशनों की सूची
- हित संघर्ष विवरण, यदि लागू हो (अधिकतम 2पृष्ठ)
- इस दस्तावेज़ के अंत में विषय पंक्ति "डीएसटी-आईईएसए आईआरडीएफपी सिफारिश पत्र" के साथ कम से कम 2 अनुशंसा पत्र सीधे ईमेल पते पर भेजे जाने चाहिए

अपूर्ण जानकारी वाले उपरोक्त दस्तावेजों के बिना प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। पीडीएफ प्रारूप में सॉफ्ट कॉपी भी 15 दिसंबर 2022 (05:00 बजे) को या उससे पहले ranjith.krishnapai@gov.in को ईमेल करें।

संपर्क:इस आह्वान संबंधी किसी भी जानकारी के लिए निम्नलिखित पर संपर्क करें:

डॉ. रंजीत कृष्ण पाई
निदेशक/वैज्ञानिक 'ई'
प्रौद्योगिकी मिशन प्रभाग (ऊर्जा, जल और अन्य) कमरा नंबर 246, दूसरी मंजिल,
एस एंड टी न्यू बिल्डिंग ब्लॉक I,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
प्रौद्योगिकी भवन, न्यू महरौली रोड
नई दिल्ली-110016
ई-मेल: ranjith.krishnapai@gov.in

आवेदन पत्र

डीएसटी-आईईएसए उद्योग अनुसंधान एवं विकास फैलोशिप कार्यक्रम(आईआरडीएफपी)2022 कृपया बड़े अक्षरों का प्रयोग करें:

कृपया बड़े अक्षरों का प्रयोग करें:

पासपोर्ट आकार की हाल की फोटो चिपकाएं और इस पर अपने हस्ताक्षर करें

1. पूरा नाम:_____लिंग (पुरूष/स्त्री):_____

2क.पिता/पति का नाम:…….

2ख.राष्ट्रीयता: ……..

3. वर्तमान पता:…….

……

4. स्थायी पता:……
……..

5.क)जन्म तिथि ….……(ख)जन्म स्थान ……..(ग)अधिवास की स्थिति ……

6. ईमेल_आईडी……

7. दूरभाष/मोबाइल नं……वैकल्पिक संख्या:…….

8. नागरिकता:……..…….

9.*आप इनमे से किसके हैं: (क) अनुसूचित जाति- हां/नहीं (ख) अनुसूचित जनजाति-हां/नहीं (ग) ओबीसी - हां/नहीं

*भारतीय नागरिकों द्वारा भरे जाने के लिए

11क. शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यता (प्रथम डिग्री से आगे):

उपाधि/डिप्लोम	विषय	अंक प्रतिशत या ग्रेड	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि	उत्तीर्ण होने का माह/ वर्ष

11.(ख)यदि पीएचडी की डिग्री प्रदान नहीं की गई है, तो कृपया नीचे जो भी लागू हो, उसका विवरण दें:

शोध प्रबंध ……

प्रस्तुत करने की संभावित तिथि:……

12. विद्या वाचस्पति शोध-प्रबंधका शीर्षक ……

……

संस्थान/विश्वविद्यालय

……

13. विशेषज्ञता के व्यापक क्षेत्र और विशेषज्ञता के निश्चित क्षेत्र के संदर्भ में विशेषज्ञता:

(क)विषय	(ख)विशेषज्ञता का व्यापक क्षेत्र	विशेषज्ञता का निश्चित क्षेत्र

14. प्रकाशन और पेटेंट: (कृपया पूर्ण संदर्भों वाले प्रकाशनों और पेटेंटों की सूची संलग्न करें और सूची में उनके अनुरूप क्रम संख्या में उनका पुनर्मुद्रण या फोटोकॉपी भी संलग्न करें)

(क)पत्रों की संख्या (i)प्रकाशित.....(ii)
को स्वीकृत……..

(ख)प्रकाशित पुस्तकों की संख्या ……,(ग)पेटेंट की संख्या: (i)प्रस्तुत.....(ii)
प्रदत्त:……

15. इनाम, सम्मान, पुरस्कार, विशेष-योग्यता, यदि कोई हो:

……

……

……

16. प्राप्त अध्येतावृत्ति:

अध्येतावृत्ति का नाम	प्रायोजक एजेंसी का नाम	तारीख		राशि	मेजबान संस्था का नाम
		कब से	कब तक		

17. नियोजन का विवरण दें, यदि कोई हो (एक अलग शीट का उपयोग किया जा सकता है):
……

18. प्रस्तावित अनुसंधान और विकास परियोजना का नाम:
…….
……(एकअलग शीट पर विस्तार से वर्णन करें, कि आप किसअनुसंधान या विकास परियोजना पर कम से कम एक वर्ष के लिए वर्ष-वार कार्य योजना के साथ काम करना चाहते हैं। परियोजना उस सलाहकार के परामर्श से बनाई जानी चाहिए जिसके साथ आप काम करने का विचार रखते हैं।

19. जो दो रेफरी आपके हाल के शोध कार्य से परिचित हैं, उनके शंसापत्र संलग्न किए जा सकते हैं। कृपया उन रेफरियों के नाम, पदनाम और पता दें:

(i)……
(ii)……

20 घोषणा (आवेदक द्वारा)

मैंने IRDFP 2022 DST-IESA- उद्योग अनुसंधान और विकास फैलोशिप के निबंधन और शर्तें पढ़ ली हैं। अगर मुझे फेलोशिप की पेशकश की जाती है तो मैं इन्हें स्वीकार करूंगा और इनका पालन करूँगा। मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार आवेदन में दिए गए विवरण सही हैं। मैं समझता हूं कि डीएसटी द्वारा मेरे आवेदन पर लिया गया निर्णय अंतिम होगा। (यदि फेलोशिप की अवधि के दौरान किसी भी समय आवेदन पत्र में झूठी और तथ्यात्मक जानकारी को छुपाना डीएसटी के संज्ञान में आता है, तो "आवेदन को अस्वीकार किया जा सकता है)।

स्थान…… उम्मीदवार के हस्ताक्षर ……..

दिनांक……

20. घोषणा (पीएचडी पर्यवेक्षक द्वारा)

में आवेदक के प्रत्यय-पत्र के बारे में स्वयं संतुष्ट हूँ और प्रस्तावित शोध कार्य के लिए उनका मार्गदर्शन/पर्यवेक्षण करने का वचन देता/देती हूं।

दिनांक:..... गाइड के हस्ताक्षर:.....